निम्न तारीख से लागू	गेहूं
1-5-1987	195.00
25-3-1988	204.00
1-5-1990	234.00

उचित दर दुकान के स्तर पर लेवी चीनी का अंतिम खुदरा मूल्य इस प्रकार है :

तारीख, जिससे लागू हैं	खुदरा मूल्य (रु० प्रति कि० ग्रा०)
15-2-1986	4.85
1-01-1988	5.10
1-01-1989	5.25

(ग) और (घ) सरकार द्वारा गेहूं व धान के समर्थन मूल्यों में वृद्धि होने पर समय-समय पर चावल तथा गेहूं के केन्द्रीय निर्गम मूल्यों में संशोधन किया जाता है, ताकि खाद्य राज-सहायता को नियंत्रण में रखा जा सके, परन्तु इन मूल्यों को उचित स्तरों पर नियत किया जाता है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए चीनी के खुदरा मूल्य, गन्ने के सांविधिक न्यूनतम मूल्य में वृद्धि होने तथा परिवर्तन लागतों में वृद्धि के आधार पर संशोधित किए जाते हैं। तथापि, 1-1-89 से इस मूल्य में संशोधित नहीं किया गया है।

लहसुन और प्याज का उत्पादन

2029. **श्री बलराम सिंह यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में लहसून और प्याज का भारी मात्रा में उत्पादन किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक मद का वर्षवार कितना-कितना उत्पादन हुआ था ;

(ग) क्या यह भी सच है कि घरेलू मांग पूरी हो जाने के पश्चात् इन मदों का निर्यात किया जाता है ;

(घ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान वर्षवार इनका कितना-कितना निर्यात किया गया था ; और

(ङ) इन वस्तुओं के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार उत्पादकों को क्या-क्या सुविधायें देने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) (क) देश में लहसुन और प्याज का भारी मात्रा में उत्पादन किया जाता है।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में लहसुन और प्याज का उत्पादन निम्न प्रकार है :—

(उत्पादन "000 मीटरी टन में)

	1986-87	1987-88	1988-89
लहसुन	208.2	318.6	242.3
प्याज	2532.6	2700.7	3232.4

(ग) जी, हां।

(घ) लहसुन और प्याज का निर्यात

(मात्रा : मीटरी टन में)

	1987–88	1988–89	1989–90
प्याज	130391	215830	360227
लहसुन	188	—	228
जल रहित प्याज	700	896	1182
जल रहित लहसुन-चूर्ण तथा पत्रक	44.5	—	279.2

(ङ) राज्यो में इन वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए निम्नलिखित योजनाओं को क्रियान्वित किया जाना प्रस्तावित किया गया है :

(1) सर्वेक्षणों, व्यवहार्यता, परामर्शदात्री और आंकड़ों पर आधारित योजना।

(2) अवसंरचना और सेवाओं के विकास की योजना।

(3) पैकेजिंग विकास की योजना।

(4) व्यापार और उद्योग के सामान्य लाभ के लिए अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से ए. पी. ई. डी. ए. द्वारा संगत अनुसंधान के सृजन और विकास की योजना।

(5) संगठन बनाने, मानव संसाधन विकास तथा प्रशिक्षण तथा आंकड़ों के आधार के लिए योजना।

वैगनों के उत्पादन में गिरावट

2030. **श्री बलराम सिंह यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पहिये मिलने में कठिनाई होने के कारण पिछले महीनों में देश में वैगनों के उत्पादन-दर में गिरावट आयी है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) पहिये उपलब्ध कराने में होने वाली कठिनाई के क्या कारण हैं ; और

(घ) इन मदों के उपलब्ध होने में कठिनाई के कारण उत्पादन में कितनी कमी होने का अनुमान है ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अजय सिंह) : (क) और (ख) अप्रैल से जुलाई 90 के दौरान माल डिब्बों के उत्पादन में कुछ गिरावट आयी है क्योंकि वास्तविक उत्पादन 5466.5 चौपहिया माल डिब्बों का हुआ है जबकि लक्ष्य लगभग 7000 चौपहिया माल डिब्बों का रखा गया था।

(ग) गिरावट मुख्यत: पहिया सेटों के आयात के लिए विलम्ब से विदेशी मुद्रा उपलब्ध कराने के कारण आई है।

(घ) कोई नहीं। जुलाई, 90 तक माल डिब्बों के उत्पादन में गिरावट केवल अस्थाई घटना है और 1990–91 की शेष अवधि में सुधार होने की आशा है क्योंकि अगस्त, 90 के मध्य से आयातित पहिया सैटों के पहुंचने से सितम्बर, 90 से पहिया सैटों की उपलब्धता में सुधार हो जाने की प्रत्याशा है।